Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 6.886|
Vol. 17 Issue 10, Oct- 2022
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

राजस्थान की उभरती अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका

शोद्यार्थी : प्रवीण
प्रवेक्षकः डॉ0 सुरूची पचौरी
सहायक प्राध्यापक
सामाजिक विज्ञान विभाग
डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय इन्दौर

शोध सारांश

राजस्थान पर्यटन के क्षेत्र में देश ही नहीं अपितु विश्व में प्रमुखता से जाना जाता है पर्यटन की दृष्टि से राजस्थान सबसे आकर्षक स्थलों में से एक माना जाता है राजस्थान केवल घरेलू पर्यटकों के इक ही नहीं अपितु विदेशी पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है राजस्थान का गौरवशाली इतिहास के लिए बावड़ियाँ महल क्षेत्रीय कला और सांस्कृतिक पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण है पर्यटन राज्य में विकास रोज़गार सृजन विदेशी मुद्रा बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास और पूंजी निवेश के साथ साथ आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ाने में सहायक रहा है यह राज्य की अर्थव्यवस्था के पर्यटन की भूमिका को समझने का एक प्रयास है

शब्द कुंजी:- पर्यटन, राजस्थान, सांस्कृतिक, विकास, ऐतिहासिक, उद्योग |

प्रस्तावना

राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है और उत्तर पश्चिम भाग में स्थित है राजस्थान में अधिकतर राजपूत शासकों का शासन रहा है इसलिए इस राज्य को राजपुताना से भी जाना जाता है इतिहास में राजपूताना अपने वैभव कला संस्कृति के कारण विश्व में सराहा जाता है सांस्कृतिक सुंदरता के लिए और ऐतिहासिक स्थलों की वजह से पर्यटकों का भारत भ्रमण राजस्थान भ्रमण के बिना अधूरा जान पड़ता है राजस्थान को पर्यटन सर्किटों में विभाजित किया गया है जैसे ढूढ सर्किट, मेवाड़ सर्किट, वागड़ सर्किट, हिण्डौनसिटी सर्किट, मेवाड सर्किट, शेखावाटी सर्किट, डेजर्ट सर्किट, माउंट आबू सर्किट, मेवात सर्किट, और गोडवाड़ सर्किट ये सभी सर्किट अपने विशेष प्रकार के आकर्षण के लिए जाने जाते हैं राज्य के प्रमुख शहर जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, बीकानेर, जैसलमेर आदि अपनी

ऐतिहासिक परम्पराएँ और कलाओं के लिए जाने जाते हैं राज्य के विभिन्न मेलों और त्योहार लोक नृत्य और संगीत कला लोक कथाएं आदि घरेलू और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती रही है यह अलग अलग सर्किट हैं उनके अपने अलग अलग तरह के आकर्षण है जैसे कुछ क्षेत्र पहाड़ी, रेगिस्तान है कुछ ऐतिहासिक इमारतों और कुछ में राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य है इस प्रकार प्रकृति ने राजस्थान में कई तरह की भौगोलिक और सांस्कृतिक विशेषताएँ दी है जिनका पर्यटक लुत्फ़ उठा रहे हैं राजस्थान के पर्यटन उद्योग के विकास की बहुत संभावनाएं हैं राजस्थान की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका का परीक्षण राजस्थान के पर्यटन के विकास के नवीनतम रुझानों और नवाचार राजस्थान के पर्यटन में उपलब्धियां है|

अनुसन्धान क्रियाविधि का अध्ययन में जानकारी द्वितीयक स्त्रोतों से एकत्रित की गई है दो विभिन्न ऑनलाइन स्रोत जैसे वेबसाइट लेख, रिपोर्टर राजस्थान का आर्थिक सर्वेक्षण आदि राजस्थान कि अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका की अगर बात करते हैं तो पर्यटन राजस्थान की अर्थव्यवस्था का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा है और क्षेत्र को आर्थिक लाभ प्रदान करता पर्यटन विदेशी मुद्रा का अर्जन क्षेत्रीय विकास बुनियादी ढांचे का विकास और स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देता है

शोध की परिकल्पना

राजस्थान में पर्यटन उद्योग को सर्वोच्च उद्योग माना जाता है विदेशी मुद्रा अर्जित करने में सहायता प्रदान करता है राज्य में पर्यटन की वृद्धि दर से हमें पता चलता है कि राजस्थान राज्य में देसी एवं विदेशी दोनों प्रकार के पर्यटको का आगमन होता है और इस आगमन से प्रति वर्ष आमदनी बढ़ती जा रही है और वर्ष 2020 के दौरान राजस्थान के पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है 155.64 लाख परंतु कोविड- 19 महामारी के दौरान लॉकडाउन के कारण पर्यटकों के आगमन में भारी कमी आयी थी |

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 6.886|
Vol. 17 Issue 10, Oct- 2022
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

क. सं.	वर्ष	पर्यटको का आगमन					पिछले की तुलना में पर्यटन में % परिवर्तन			
		घरेलू	विदेश		कुल		घरेलू	विदेश		कुल
1	2006	18787298		1131164		19918462	17.17	16.4	17.13	
2	2007	23483287		1220164		24703451	25	7.87	24.02	
3	2008	25920529		1401042		27321571	10.38	14.28	10.6	
4	2009	28358918		147646		29836564	9.41	5.47	9.26	
5	2010	25558691		1073414		26632105	-9.87	-27.36	-10.74	
6	2011	25543877		1278523		26822400	-0.06	19.11	0.71	
7	2012	27137323		1351974		28489297	6.24	5.74	6.21	
8	2013	28611831		1451370		30063201	5.23	7.35	5.52	
9	2014	30298150		1437162		31735312	5.89	-0.98	5.56	
10	2015	33076491		1525574		34602065	9.17	6.15	9.03	
11	2016	35187573		1475311		36662884	6.38	-3.29	5.96	
12	2017	41495115		1513729		43008844	17.93	2.6	17.31	
13	2018	45916573		1609963		47526536	10.66	6.36	10.95	
14	2019	50235643		1754348		51989991	9.41	8.97	9.39	
15	2020	52220431		1605560		53825991	3.95	-8.48	0.04	
16	2021	15117239		446457		15563696	-71.05	-72.19	-71.09	
स्त्रोत : पर्यटन वार्षिक रिपोर्ट 2020–2021, पर्यटन विभाग, राजस्थान										

रोज़गार सृजन :-

पर्यटन उद्योग एक ऐसा उद्योग है जो अधिक रोज़गार प्रदान करता है पर्यटन उद्योग से होटल इस उद्योग का विकास होता है और इससे हथकरघा उद्योग हस्तशिल्प आदी अन्य उद्योगों के बुनियादी विकास में अहम योगदान देता है इस प्रकार पर्यटन के बढ़ने से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार के नए अवसर बनते रहते हैं क्षेत्रीय विकास पर्यटन से क्षेत्रीय विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है यह एक महत्वपूर्ण विकास उपकरण है जो आर्थिक और सामाजिक विकास प्रदान करता है| बुनियादी ढांचे का विकास पर्यटकों के आने से उस स्थान का अतिरिक्त विकास होता है जैसे पार्क उद्यान और संग्रहालय अतिरिक्त सुविधाओं का विकास होता है जैसे सड़क जल प्रणालियां सार्वजनिक विकास

शामिल हैं इस प्रकार पर्यटन का विकास बुनियादी ढांचे के विकास को प्रोत्साहित करता है एतिहासिक धरोहरों को संरक्षण एवं उपयोग में राजस्थान ऐतिहासिक धरोहरों की दृष्टि से समृद्ध राज्य है इसकी सांस्कृतिक विरासत में हेल्प हवेलियाँ के लिए रंगीन कला और नृत्य अद्भुत वास्तु कला और विश्व विश्व की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखला में अरावली थार रेगिस्तान वन अभयारण्य और इसका गौरवशाली इतिहास है ये सभी विविधताएँ राजस्थान को दुनिया में एक प्रसिद्ध और शाही पर्यटक स्थल बनाती है ऐसी जगहों पर घूमने के लिए पर्यटक अधिकांशतः राजस्थान में ही आते हैं पर्यटन के विकास से राज्य की संस्कृति ऐतिहासिक विरासत संरक्षित होती है हस्तशिल्प उद्योग का विकास हस्तशिल्प अमूर्त सांस्कृतिक विकास का हिस्सा है पर्यटन उद्योग एवं हासिल का परस्पर संबंध है हस्तशिल्प पर्यटकों को आकर्षित करती है राजस्थान की हस्तशिल्प में सबसे प्रसिद्ध आकर्षणों में से एक है| राजस्थान के हस्तशिल्प लोकप्रिय हैं जहाँ दुनिया भर से जो पर्यटक राजस्थान भ्रमण के लिए आते हैं उस दौरान तो वो यहाँ से कुछ हस्तशिल्प वस्तुएँ ख़रीदना वापस नहीं जा पाते राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध हस्तशिल्प जैसे आभूषण लकड़ी के फ़र्नीचर पेंटिंग नीली मिट्टी के बरतन काली और दरी आदी हैं

राजस्थान में पर्यटन के विकास में नवीनतम रुझानों

राजस्थान पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा उद्योग बनकर उभरा है जिसकी वृद्धि भी सबसे अधिक है राजस्थान के आर्थिक विकास में पर्यटन के महत्व को देखते हुए राज्य सरकार ने पर्यटन विकास और पर्यटन उद्योग बनाने की दिशा में कई प्रभावी क़दम उठाए हैं पर्यटन उद्योग के क्षेत्र में राज्य सरकार ने कई सुविधाएँ और रियायतें प्रदान की है

वर्तमान में पर्यटन

राजस्थान में पर्यटन विभाग सन् 1965 राजस्थान पर्यटन विकास निगम लिमिटेड और धर्मशाला राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ़ टूरिज़्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट के रूप में कार्य कर रहा है पर्यटन विभाग के नियंत्रण में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में कार्यरत है और इसे अधिक विकसित करने के लिए कि राज्य सरकार एवं पर्यटन विभाग द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं हाल ही के वर्षों में पर्यटन स्थलों का विकास एवं संरक्षण इस योजना के अंतर्गत बुनियादी ढांचा विकास कार्य एवं पर्यटन सुविधा केन्द्र पेयजल व्यवस्था प्रकाश व्यवस्था राज्य के प्रमुख पर्यटन सतलोक का सौंदर्यीकरण एवं नवीनीकरण के कार्य किए जा रहे हैं ग्राम पर्यटन का विकास इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण पर्यटन के लिए विभिन्न कार्य करना है पर्यटन की संभावनाओं वाले ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास ताकि कला संस्कृति ग्रामीण स्थानों के शिल्प हथकरघा और प्राकृतिक वातावरण को एक संपत्ति के रूप में प्रदर्शित किया जा सकता है वर्ष

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 6.886|
Vol. 17 Issue 10, Oct- 2022
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

2020-21 में ग्रामीण पर्यटन विकास में 456.16 लाख रुपया मेले त्योहार एवं सांस्कृतिक विरासत कार्यक्रम व्यय किए गए।

राज्य में एजेंसियां पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाओं का विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती है दो राज्य में पर्यटन की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए किए जाते हैं राजस्थान में वर्ष 2020 में नई राजस्थान पर्यटन नीति 2020 की घोषणा की गई जो राज्य में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनायी गई थी RIPS-2019 में रोज़गार के अवसर पैदा करने और तीव्र विकास को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना आर आयी पी एस 2019 में लागू की गई|

राजस्थान के पर्यटन में नवीनतम उपलब्धियां

- 22 फरवरी 2020 को नई दिल्ली में ट्रैवलर अवार्ड राजस्थान को ''बेस्ट इंडिया वेडिंग डेस्टिनेशन'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- अक्टूबर 2020 में रीडर्स अवार्ड के तहत पैलेस ऑन व्हील्स विश्व की दूसरी शानदार ट्रेन है।
- 26 अक्टूबर 2020 को नई दिल्ली में पर्यटन सर्वेक्षण पुरस्कार–2020 गुलाबी शहर जयपुर को ''देश का सर्वश्रेष्ठ विरासत स्थल'' और रणथंभौर को पुरस्कार मिला (सवाई माधोपुर) आज भारत के अंतर्गत ''देश का सर्वश्रेष्ठ वन्यजीव गंतव्य''।
- ट्रेवलाइजर के अंतर्गत राजस्थान को डोमेस्टिक डेस्टिनेशन–सर्वश्रेष्ठ राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- हाल ही में जयपुर शहर को 2019 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर में शामिल किया गया है।
- राजस्थान के छह किले चितौड़गढ़ किला, कुम्भलगढ़ किला, जैसलमेर किला, रणथंभौर किला (सवाई माधोपुर), गागरोन किला (झालावाड़) और आमेर किला (जयपुर) यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई थी।
- राजस्थान का लोक नृत्य 'कालबेलिया' का अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में जोड़ा गया और 2010 में यूनेस्को में भी पुरस्कर से नवाजा गया है।

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 6.886|
Vol. 17 Issue 10, Oct- 2022
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

निष्कर्ष

राजस्थान वह राज्य हैं जिसमें पर्यटन के कारण आर्थिक विकास की अपार संभावनाएं हैं पर्यटन उद्योग पर कई सकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं जैसे यह है आय और रोज़गार के स्रोत उत्पन्न करता है विदेशी मुद्रा आय का प्रमुख संसाधन प्रदान करता है बुनियादी ढांचों के लिए विकास को बढ़ावा देता है राजस्थान की देश में अपनी अलग पहचान है पर्यटन की दृष्टि से हवेलियाँ क़िले हेरिटेज होटल रंग बिरंगे मेले त्योहार कला सहित यहाँ की संस्कृति और हस्तशिल्प उत्पाद पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं पिछले कुछ वर्षों में यहाँ देशी विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है राज्य सरकार ने पर्यटन के विकास में कई नवीन विचारों को लागू किया है|

संदर्भ सूचीः

1. *"'पधारो माम्रे देश: राजसालवसरकार पुराने परयेटन्मारे पर वापस लौटी"* । *हिंदुस्तान टाइम्स* । 30 जनवरी 2019 । 6 फरवरी 2023 को लिया गया ।
2. ^ *केंद्र, यूनेस्को विश्व धरोहर। "जयपुर शहर, राजसा॒ान यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र ।*
3. ^ *"राजसाभ न्अरथिवयलवसाBusiness.mapsofindia.com । 6 फरवरी 2023 को पुनःप्राप्त .*
4. ^ *"परयंटनविभाग वारिonकरचगारिपोरट्यराजसा२परयाटन"। www.tourism.rajasthan.gov.in । 6 फरवरी 2023 को पुनःप्राप्त .*
5. ^ *"राजसाभपके पहाड़ी किले और कारेomथिकन केलकड़ी के चरचबिशवविरासत सूची में अंकित हैं"* । *यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र* । 20 नवंबर 2016 को लिया गया ।
6. ^ *कोहली, एमएस (2004), भारत के परवातपरयsट्नसाहसिक, तीरथ्यातांदसिंधु प्रकाशन, पीपी. 29- , आईएसबीएन 978-81-7387-135-1*
7. ^ राजसाद नके यूनेसोीपहाड़ी किले, यूनेसोने वेबसाइट